

प्रेषक,

सुबर्द्धन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

कुल सचिव,
उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,
हरिद्वार।

माध्यमिक शिक्षा / संस्कृत अनुभाग-4

द्वैहरादून:दिनांक: 05 फरवरी, 2009

विषय— उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के लिये स्वीकृत पदों के
संतीकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०- 332 / संतीकरण / 2008-09 दिनांक
08 दिसम्बर 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल
महोदय सलंगनक में उल्लिखित उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार जिसके लिये
स्तम्भ -5 में अंकित शासनादेश के अनुसार दिनांक 28 फरवरी 2009 तक पदों की
स्वीकृति प्रदान की गयी थी को दिनांक 28 फरवरी 2010 तक चलते रहने की
निरन्तरता की स्वीकृति प्रदान करते हैं, बशर्ते कि ये पद बिना किसी पूर्व सूचना के
इससे पूर्व ही समाप्त न कर दिए जाय।

उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय स्तम्भ -5 में अंकित शासनादेश
के अनुसार निर्धारित लेखाशीर्षक के अन्तर्गत ही वहन किया जायेगा।
संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(सुबर्द्धन)
अपर सचिव।

संख्या 24/ (1)/ XXIV-4/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
3. आयुक्त गढ़वाल मण्डल/कुमायूं मण्डल।
4. कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार।
5. कुलपति, हे० न० बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल।
6. कुलपति, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल।
7. मण्डलीय अपर/संयुक्त निदेशक संस्कृत शिक्षा, गढ़वाल मण्डल
पौड़ी/कुमायूं मण्डल, नैनीताल।
8. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. जिला शिक्षा अधिकारी, हरिद्वार।
10. निदेशक एन०आई०सी० उत्तराखण्ड।
11. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(पी०एल० शाह)
उपसचिव।